बहन का लौड़ा -38

“नीरज ने रोमा की कुन्वारी चूत जम कर चोदी और अन्दर ही अपना वीर्य निकाल दिया… दर्द से बचाने के लिये उसने रोमा को गोली खिलाई और रोमा अपनी सहेली टीना के पास आई… …”

Story By: पिंकी सेन (pinky)
Posted: Monday, June 29th, 2015
Categories: जवान लड़की
Online version: बहन का लौड़ा -38

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहन का लौड़ा -38

अब तक आपने पढ़ा..

कुछ देर बाद रोमा को कुछ याद आया तो वो झटके से बैठ गई।

नीरज- क्या हुआ मेरी जान ?
रोमा- ये अपने क्या कर दिया.. मेरे अन्दर ही पानी निकाल दिया.. कहीं बच्चा ठहर गया तो ?
नीरज- अरे कुछ नहीं होगा.. मेरे पास इसकी गोली है.. अभी खा लेना.. कुछ नहीं होगा.. अब देखो दर्द कम हुआ ना..
रोमा- चुदाई के समय तो बिल्कुल दर्द नहीं था.. अब थोड़ा हो रहा है..
नीरज- कुछ नहीं होगा.. इसी कमरे में थोड़ा चल-फिर लो.. फिर तुम ठीक से चल पाओगी और लो.. मैं गोली दे देता हूँ.. खा लो.

नीरज ने रोमा को गोली खिला दी और उसे वहीं चलाता रहा। आधे घंटे में वो नॉर्मल हो गई।
रोमा ने कहा- बहुत समय हो गया.. मुझे मेरी सहेली के घर के पास छोड़ दो.. ताकि मैं उसको समझा सकूँ..
नीरज ने रोमा को पक्का समझा दिया कि मेरे बारे में अभी किसी को कुछ मत बताना।
।दोनों रेडी होकर वहाँ से चले गए।

दोस्तो, टीना की बात आपको अधूरी बताई थी.. अब रोमा भी वहीं जा रही है।

तो चलो यह गाड़ी में जाएगी और मैं आपको पहले ही वहाँ उड़ा कर ले जाती हूँ।

स्कूल के बाद टीना घर आ गई थी।
आयुष- अरे आ गई मेरी बहना.. मैं तेरा ही इंतज़ार कर रहा था।
टीना- क्या बात है भाई.. आज अपनी बहन पर इतना प्यार कैसे आ रहा है ? कोई काम है क्या मुझसे ?

आयुष- अब ज्यादा भोली मत बन.. मैंने तुम्हें कुछ पूछा था.. और तुमने स्कूल से आकर बताऊँगी कहा था.. अब बताओ ना.. उससे बात की क्या ?
टीना- अरे कहाँ की.. वो तो आई और गई.. बात क्या उसके भूत से करती ?
आयुष- अरे ठीक से बता ना.. क्या आई और गई.. बोल रही है..
टीना- मेरे प्यारे भाई.. वो सुबह आई.. उसने मुझसे कहा कि मेरी छुट्टी की अर्जी लगा दे.. मुझे कहीं जाना है.. और बाद वो चली गई..
आयुष- ओह्ह.. अच्छा तो मतलब.. आज भी बात नहीं हुई..

टीना अपने भाई के करीब आई और प्यार से उसके चेहरे को हाथों में लेकर कहा- अरे अरे.. मेरे भोले भैया.. उदास क्यों होते हो.. वो अभी यहाँ आने वाली है.. तब उससे बात कर लूँगी..
इतना सुनते ही आयुष खुश हो गया और टीना से लिपट गया.. उसको उठा कर घूमने लगा।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

ओ हैलो.. रूको रूको.. यह क्या है.. हर जगह सेक्स नहीं होता.. ये दोनों भाई-बहन हैं। मैंने

पहले बताया था ना.. इनमें दोस्तों जैसा रिश्ता भी है और आपने क्या सोचा टीना की 'न्यू एंट्री' हो गई.. तो ये भी चुदेगी.. नहीं.. आप गलत हो.. जरूरी नहीं कि जो कहानी में हो.. उसकी चुदाई भी हो.. ये इस कहानी का क्लाइमैक्स बनाएगी.. तभी इसने एंट्री ली है.. अब गंदे विचार दिल से निकालो और कहानी पर ध्यान दो..

टीना अपने कपड़े चेंज करने चली गई तभी दरवाजे की घंटी बजी।
टीना- जाओ भाई.. दरवाजा खोल दो आपकी रोमा मैडम आ गई हैं।

आयुष काफ़ी समय से रोमा को दिल ही दिल में चाहता था और अब उसने हिम्मत करके यह बात टीना को बता दी थी। आज उसने रोमा से पूछने को कहा था कि आयुष उसको कैसा लगता है.. अब रोमा आ गई है.. वो भी चुदकर.. तो देखो कहानी में क्या ट्विस्ट आता है..

आयुष ने दरवाजा खोला और रोमा को सामने देख कर उसके चेहरे की खुशी देखने लायक थी।
रोमा- टीना घर पर है क्या.. ? मुझे उससे मिलना है..
आयुष- हाँ.. वो अन्दर है.. आओ ना रोमा.. बाहर क्यों खड़ी हो ?

रोमा अन्दर आ गई.. तब तक टीना भी बाहर आ गई थी और रोमा को लेकर वो अपने कमरे में चली गई।

टीना- अब बता.. स्कूल से गुलाटी मारकर कहाँ चली गई थी तू ?
रोमा- अरे कहीं नहीं.. कुछ काम था यार.. तुझसे बस एक बात कहने आई हूँ.. प्लीज़ मॉम को आज की बात का पता ना चले.. बस..
टीना- अरे नहीं बताऊँगी यार.. मगर मुझे तो बता.. तू कहाँ गई थी आज.. और अभी आई है..

रोमा- कहा ना यार.. अभी नहीं.. बाद में बता दूँगी..
टीना- अच्छा मत बता मुझे.. तुझे एक बात बतानी है.. प्लीज़ यार तू बुरा मत मानना..
रोमा- क्या बात है बता तो..

टीना- वो क्या है ना.. कई दिनों से आयुष भाई.. तुम्हारे बारे में ज़्यादा पूछते रहते हैं तो मुझे शक हुआ और मैंने उनके मन बात उनसे पूछ ली.. यार.. वो तेरे में इंटरेस्टेड हैं.. मगर कहने से डरते हैं.. इसलिए उन्होंने मुझसे तुमसे बोलने को कहा। अब तू तो मेरे भाई को जानती है ना कि वो कितने सीधे हैं।

रोमा- तू क्या कह रही है.. नहीं यार.. मैंने आयुष के बारे में कभी ऐसा नहीं सोचा, और प्लीज़ दोबारा ऐसा कुछ भी मत कहना..
टीना- अरे तू इतना गुस्सा क्यों हो गई.. तेरा मन नहीं तो ना कह दे.. ऐसे गुस्सा होने का क्या मतलब है ?
रोमा- ओके सॉरी.. यार.. लेकिन प्लीज़ मैं आयुष से.. नहीं नहीं.. कभी नहीं..
टीना- अच्छा ठीक है.. मैं भाई को बता दूँगी और बता क्या लेगी ?

रोमा- नहीं कुछ नहीं.. मुझे घर जाना है अगर ज़्यादा देर हुई तो मम्मी मार डालेगी.. अच्छा तू बस आज की बात किसी को बताना मत.. यार ओके बाई..

रोमा जल्दी में वहाँ से निकल गई और टीना बस उसको देखती रही।
आयुष बड़ा उतावला था रोमा के बारे में जानने को.. वो झट से टीना से जा मिला और पूछ लिया कि बात की क्या ?
टटीना अपने भाई का दिल नहीं तोड़ना चाहती थी.. तो उसने झूठ कह दिया कि रोमा ने सोचने के लिए कुछ समय माँगा है।
आयुष खुश हो गया कि आख़िर रोमा तक बात तो गई और वो खुशी-खुशी टीना के लिए आइसक्रीम लेने चला गया।

ओके दोस्तो.. यह बात यहीं रोकती हूँ.. आगे वक़्त आने पर बता दूँगी.. अभी राधे और ममता के पास चलते हैं।

ममता ने दोपहर का खाना रेडी कर दिया था और राधे भी नहा कर फ्रेश हो गया था। अभी वो मेन गेट के पास कुर्सी पर बैठा ही था कि मीरा स्कूल से आ गई।

मीरा- गुड नून मेरे प्यारे हज़्बेंड.. क्या बात है.. बाहर क्यों बैठे हो.. ममता कहाँ है ?
राधे- आ गई मेरी मीरा रानी.. वो अन्दर खाना रेडी कर रही है.. चलो चेंज कर लो साथ में खाएँगे.. आज तो बड़ी जोरों की भूख लगी है।
मीरा- क्यों मेरे आशिक.. ममता के साथ ज़्यादा उछल-कूद कर ली क्या ?
राधे- सब बताऊँगा.. पहले खाना तो खा लो मेरी जान..
मीरा अन्दर गई तो ममता उसको देख कर शर्मा गई।

मीरा- ओह्ह.. ये बात… मुझसे शर्मा रही हो और मेरे आने के पहले क्या-क्या किया होगा.. तब शर्म नहीं आई ?
ममता- बीबी जी, खाना तैयार है.. आप कपड़े बदल लो.. ये बातें बाद में होती रहेगीं।

मीरा ने कपड़े बदल लिए और खाने के दौरान वो ममता और राधे को छेड़ती रही।
खाने के बाद ममता को कहा कि रसोई की सफ़ाई के बाद वो चली जाए।

ममता ने अपना काम निपटा दिया और वो चली गई। राधे और मीरा कमरे में बैठे बातें कर रहे थे।

मीरा- अब बताओ ना.. आज क्या किया और कैसे किया.. चुदाई में मज़ा आया क्या ? और ममता को मज़ा आया या नहीं.. सब बात बताओ..
राधे- मेरी जान.. अगर अभी बताऊँगा.. तो तुम्हारे साथ मैं भी गर्म हो जाऊँगा और

फिलहाल अभी मेरा चुदाई करने का बिल्कुल मूड नहीं है.. तुम थकी हुई आई हो.. सो जाओ.. रात को बताऊँगा और साथ में तुम्हारी ठुकाई भी करूँगा।

मीरा जल्दी मान गई.. क्योंकि चुदने का अभी उसका भी कोई इरादा नहीं था।

दोनों आराम से सो गए.. उधर रोमा भी अपने घर चली गई। उसकी चूत में दर्द तो था.. मगर अब वो ठीक से चल पा रही थी। उसकी माँ को शक होने का सवाल नहीं था। बेटी स्कूल से जो आई थी.. तो यहाँ भी यही हुआ.. खाना खाकर रोमा भी गहरी नींद में सो गई। उसको तो ऐसी नींद आई कि बस पूछो मत… चुदाई के बाद थकान कैसी होती है.. ये तो चुदाई करने वाले ही अच्छी तरह बता सकते हैं।

दोस्तो, उम्मीद है कि आप को मेरी कहानी पसंद आ रही होगी.. मैं कहानी के अगले भाग में आपका इन्तजार करूँगी.. पढ़ना न भूलिएगा.. और हाँ आपके पत्रों का भी बेसब्री से इन्तजार है।
pinky14342@gmail.com

Other stories you may be interested in

बड़े चूचों वाली स्टूडेंट की चुदाई

हैलो ! नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सन्दीप सिंह है. मैं भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले का रहने वाला हूं। मेरी हाइट करीब 5.7 फीट है। मैं सदैव व्यायाम करता हूं। जिससे मेरा शरीर बिल्कुल फिट है। […]
Full Story >>>

प्यार की नयी परिभाषा

मेरा नाम हिमांशु है और मैं छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर में रहता हूं. आज मैं आपको अपनी जिंदगी में घटी सबसे बड़ी घटना बताने जा रहा हूं. यह बात तब की है जब मैं बाहरवीं कक्षा में पढ़ता था. मेरी […]
Full Story >>>

बारिश की बूँदें और वो

मेरे प्यारे दोस्तो, मैं रॉकी एक बार फिर हाज़िर हूँ आपकी सेवा में, सभी को मेरा नमस्कार ! मेरी पिछली कहानी इंजीनियरिंग की लड़की की पहली चुदाई पर आपके आये ईमेल के लिए सभी का शुक्रिया अदा करता हूँ. इस स्टोरी […]
Full Story >>>

स्कूल टीचर के साथ सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम जिग्नेश है और मैं गुजरात के एक शहर में रहता हूं. आज मैं अपनी दूसरी कहानी के साथ हाज़िर हूँ. मेरे बारे में बता दूँ कि मैं पतला और लंबा इंसान हूँ और लंड भी ठीक […]
Full Story >>>

मैं कैसे बन गई चुदक्कड़-4

दोस्तो, आपकी कोमल फिर हाज़िर है अपनी जवानी की कहानी के अगले भाग के साथ. अभी तक आप लोगों ने मेरे बारे में तो सब जान ही लिया होगा कि किस तरह से मैं एक सामान्य लड़की से एक चुदक्कड़ […]
Full Story >>>